अजरख शलि्प और बेला ब्लॉक प्रटिगि

स्रोत: द हदिू

हाल ही में कच्छ की प्रतरिोधी रंगाई की एक कला, अजरख को **भौगोलकि संकेत (GI)** टैग प्राप्त हुआ है, जो वशिषि्ट भौगोलकि क्षेत्रों की कलाओं को कानूनी संरक्षण प्रदान करता है।

- अजरख, गुजरात के कच्छ की सदयिों पुरानी **ब्लॉक-प्रटिड वस्त्र कला** है, जसिमें सूती कपड़े पर कहानयिाँ बताने के लयि प्राकृतकि रंगों और जटलि डज़िाइनों का उपयोग कयिा जाता है।
- नील, लाल और सफेद आदचिमकीले रंगों से बने अजरख वस्त्र पारंपरकि रूप से **रबारी**, **मालधारी** तथा **अहीर** जैसे खानाबदोश समुदायों द्वारा पहने जाते हैं।
- **बेला ब्लॉक प्रटिगि:**
    - यह कच्छ के उसी क्षेत्र का एक अन्य शलि्प है, जो **कम ज्ञात** और अस्पष्ट है, तथा मुख्य रूप से खत्री समुदाय द्वारा कयिा जाता है।
    - यह एक पारंपरकि वस्त्र कला है जो अपनी बोल्ड डज़िाइनों, आकर्षक रंग संयोजनों तथा बनावट वाले कपड़ों पर हाथी और घोड़े जैसे ग्राफकि रूपांकनों के लयि जानी जाती है।
    - इसे हस्तशलि्प वकिास आयुक्त कार्यालय द्वारा भी **लुप्तप्राय शलि्प** की सूची में रखा गया है। यह राष्ट्रीय एजेंसी है जो भारतीय हस्तशलि्प को बढ़ावा देने और नरि्यात करने के लयि कार्य करती है।

//

और पढ़ें: भौगोलकि संकेत (GI)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ajrakh-craft-and-bela-block-printing